राधेश्याम सिंह
राज्य मंत्री
कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान
तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग

उत्तर प्रदेश सचिवालय,
जी0–2/3, बापू भवन, द्वितीय तल,
लखनऊ
दूरभाष : 0522-2239277(का०)
0522-2721637(आ०)

दिनांक :.....

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) द्वारा इंटीग्रल विश्वविधालय, लखनऊ, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई0सी0ए0आर0), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, सैम हिग्गिन बॉटम इंस्टीयूट आफ एग्रीकल्चर टेक्नालाजी एण्ड साइंसेज, इलाहाबाद (शियाट्स) तथा उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान अकादमी, लखनऊ (उपास) के साथ संयुक्त रूप से ''पोस्ट–हार्वेस्ट टेक्नालाजीज आफ एग्रीकल्चर प्रोड्यूस फार सस्टेनेबल फूड एण्ड न्यूट्रीशनल सीक्योरिटी'' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस का आयोजन 10–12 नवंबर, 2016 को इंटीग्रल विश्वविधालय, कुर्सी रोड, लखनऊ के परिसर में किया जा रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का एक महत्वपूर्ण स्थान है। देश की 70 प्रतिशत आबादी की आजीविका का प्रमुख साधन अभी भी खेती ही है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है जिसकी 60 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बडा खाद्यान्न उत्पादक राज्य है। वर्तमान में सीमित कृषि भूमि, जल एवं मौसम की बढती अनिश्चितता खाद्यान्न उत्पादन के समक्ष चुनौती है। सतत् खाद्यान्न सुरक्षा तथा खाद्य उपलब्धता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये अत्यंत आवश्यक है कि शस्येत्तर हानियों को खेत, विपणन एवं उपभोक्ता के स्तर पर कम किया जाय। भविष्य की खाद्यान्न उत्पादन की मांग को पूरा करने की रणनीति तैयार करने हेतु कृषि में शोध एवं तकनीकी को समाहित करने तथा सतत् पद्वतियों को अपनाना ही एकमात्र विकल्प है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह कांग्रेस कृषकों एवं कृषि वैज्ञानिकों को उत्तर प्रदेश के कृषि विकास से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर परस्पर विचार विनिमय हेतु एक मंच तैयार करेगी तथा इससे प्राप्त जानकारियॉ कृषि एवं तत्सम्बन्धी क्षेत्र के विकास हेतु काफी लाभदायक होंगी।

अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस के सफल आयोजन हेतु मेरी शुभकामनायें।

(राधेश्याम सिंह)
राज्य मंत्री,कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान
एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, उ0प्र0